हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, बुधवार 27 मई 2026

11 114 साल पुराने दंडी स्वामी बलभद्र आश्रम का...

12 जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में शुरू होगी...

Affiliated to CBSE
MR SCHOOL
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
FOUNDATION / JEE / NEET COACHING with Aakash Faculty Experts

ADMISSION OPEN
Session 2026-27
MR SCHOOL Aakash
Medical IIT-JEE Foundation
Aakash की FACULTY अब MR SCHOOL के साथ
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

अटेली के बेटे का बॉलीवुड में बड़ा धमाका : हरियाणा से मुंबई तक चर्चा, छोटे शहर से निकलकर राष्ट्रीय सिनेमा में बनाई अलग पहचान

राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता निर्देशक मनीष सैनी की पहली हिंदी फिल्म 29 को होगी रिलीज, जैकी श्रॉफ बने 'ग्रैंड सुपरहीरो'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

जिले के अटेली क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक मनीष सैनी अब बॉलीवुड में बड़ा धमाका करने जा रहे हैं। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो : एलियंस का आगमन' आगामी 29 मई को पूरे देश के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हरियाणा के छोटे कस्बे से निकलकर राष्ट्रीय सिनेमा तक पहुंचे मनीष सैनी को लेकर पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल है और सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर लगातार चर्चा बनी हुई है।

फिल्म निर्देशक मनीष सैनी इससे पहले गुजराती सिनेमा में अपनी मजबूत पहचान बना चुके हैं। उनकी चर्चित फिल्म 'ढ' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इसके अलावा 'गांधी एंड कंपनी' जैसी फिल्मों ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। बच्चों की सोच, कल्पना और संवेदनशील सामाजिक विषयों को पर्दे पर उतारना उनकी खास पहचान माना जाता है। फिल्म जगत में उन्हें ऐसे निर्देशक के तौर पर देखा जाता है जो मनोरंजन के साथ भावनात्मक संदेश देने वाली कहानियां बनाते हैं।

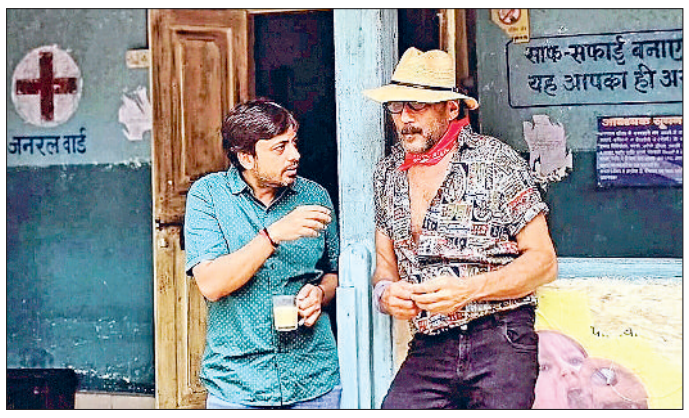

नारनौल। जैकी श्रॉफ से बातचीत करते निर्देशक मनीष सैनी। फोटो : हरिभूमि

पहली बार हिंदी सिनेमा में रखा कदम

अब पहली बार उन्होंने हिंदी सिनेमा में कदम रखा है। 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' एक पारिवारिक, काल्पनिक और विज्ञान आधारित फिल्म है, जिसमें दादा-पोते के रिश्ते को सुपरहीरो और एलियन रोमांच के साथ जोड़ा गया है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने दोस्तों से कहता है कि उसका दादा कोई साधारण इंसान नहीं बल्कि सुपरहीरो है। शुरुआत में यह बच्चों की कल्पना लगती है, लेकिन धीरे-धीरे कहानी में एलियंस की एंट्री होती है और फिर रोमांचक घटनाएं शुरू हो जाती हैं। फिल्म में हास्य, भावनाएं, रोमांच और पारिवारिक संदेश को साथ लेकर चलने की कोशिश की गई है।

अहम भूमिका में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

फिल्म में जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। उनके अलावा प्रतीक बब्बर, भाग्यश्री, शरत सक्सेना, दुर्गेश कुमार, मिहिर गोडबोले और सहर्ष शुक्ला जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म को जी स्टूडियोज और अमदावाद फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया गया है। ट्रेलर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी चर्चा देखने को मिली और लोगों ने इसे 'देसी सुपरहीरो और पारिवारिक भावनाओं' का नया मिश्रण बताया। मनीष सैनी ने फिल्म को लेकर कहा था कि बच्चे दुनिया को सबसे अलग नजर से देखते हैं और उनकी कल्पनाओं में हर दादा-दादी किसी सुपरहीरो से कम नहीं होते। उन्होंने इसी मासूम सोच को बड़े पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। वहीं जैकी श्रॉफ ने भी फिल्म को बच्चों और परिवार के लिए खास प्रोजेक्ट बताया है। हरियाणा के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि राज्य से बहुत कम फिल्म निर्देशक राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। ऐसे में अटेली जैसे छोटे क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय पुरस्कार जीतना और फिर बॉलीवुड में हिंदी फिल्म बनाना युवाओं के लिए प्रेरणा माना जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि मनीष सैनी ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती।

खबर संक्षेप

नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक बाधित रहेगी बिजली

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के कांटी स्थित 33 केवी सब स्टेशन से जुड़े सभी फीडर आज 27 मई को सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद रहेंगे। जेई भगवान सिंह ने बताया कि सब स्टेशन पर आवश्यक मरम्मत व पेड़ कटाई का कार्य किया जाएगा जिसके चलते विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि यह कार्य सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है।

नारनौल का रात्रि न्यूनतम तापमान 29. 5 डिग्री दर्ज

नारनौल। जिले में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को नारनौल का अधिकतम तापमान 44.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि महेंद्रगढ़ में पारा 43.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दिनभर लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नारनौल का न्यूनतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से अधिक रहा। वहीं महेंद्रगढ़ में रात का तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गर्म रातों के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगामी दिनों में भी गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। दिन के समय लू चलने तथा तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना हैं। प्रशासन ने लोगों को दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

24 दिन सूखी रहती है नहर, 16 दिन चलता है पानी

सिहमा में पेयजल संकट: अनियमित नहर सप्लाई से ग्रामीण हो रहे परेशान

पानी नहीं होने से बिगड़ी जल आपूर्ति व्यवस्था

नीरज कुमार ⏭ मंडी अटेली

गांव सिहमा में इन दिनों पेयजल संकट गहराता जा रहा है। जवाहर लाल नेहरू कैनाल में पर्याप्त पानी नहीं आने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि अब नहर का पानी दो दिन में केवल एकबार ही मिल रहा है। वह भी एक दिन छोड़कर सुबह सात से आठ बजे तक मात्र एक घंटे के लिए आता है। इस सीमित आपूर्ति से गांव के लोगों की दैनिक जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार नहर का पानी खुबड़ू हेड सोनीपत से छोड़ा जाता है, लेकिन वहां से भी नियमित रूप से पानी नहीं मिल पा रहा है।

विभागीय जानकारी के मुताबिक 28 मई को खुबड़ू हेड से पानी छोड़े जाने की संभावना है, जिसके बाद 30 मई तक सिहमा गांव और आसपास के क्षेत्रों में नहर का पानी पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि इस तरह की अनिश्चित और अनियमित सप्लाई ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। गांव के लोगों का कहना है कि नहर में पानी की सप्लाई का कोई तय शेड्यूल नहीं है। कभी 15 दिन तक लगातार पानी आता है तो कभी 15 दिनों तक पूरी तरह से बंद रहता है। वर्तमान स्थिति और भी खराब है जहां करीब 42 दिनों के चक्र में लगभग 24 दिन नहर बंद रहती है और केवल 16 दिन ही पानी की आपूर्ति होती है।

गौरतलब है कि सिहमा का जलघर चार फरवरी 2004 को बनकर तैयार हुआ था जिसका उद्घाटन तत्कालीन सांसद चौधरी अजय सिंह चौटाला द्वारा किया गया था। करीब सात एकड़ क्षेत्र में फैले इस जलघर में एक बड़ा तालाब और छोटे-बड़े कुल छह टैंक बनाए गए हैं। इस जलघर की क्षमता प्रतिदिन करीब ढाई लाख लीटर पानी को फिल्टर करने की है। जलघर में नहर के पानी को पहले बड़े तालाब में स्टोर किया जाता है। इसके बाद पानी को दो बड़े हाई लेवल टैंकों में छोड़ा जाता है, जहां से यह चार छोटे फिल्टर टैंकों में पहुंचता है। इन टैंकों में पानी को शुद्ध करने की प्रक्रिया पूरी की जाती है और फिर इसे क्लियर टैंक में संग्रहित किया जाता है।

मंडी अटेली। सिहमा में बना जलघर व सूखी पड़ी हुई जवाहर लाल नेहरू नहर। फोटो : हरिभूमि

पानी खत्म होने से उत्पन्न हुई समस्या

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई नरेंद्र पाल ने बताया कि नहर का पानी खत्म होने के चलते यह समस्या उत्पन्न हुई है। अब नहर में 30 मई को पानी छोड़ा जाएगा, जिसके बाद गांव सिहमा में जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार आने की उम्मीद है। गांव में वर्तमान में सात ट्यूबवेल संचालित हैं, जिनके माध्यम से पानी की सप्लाई दी जा रही है। इसके अलावा कैनाल और ट्यूबवेल दोनों का कनेक्शन गांव की हर गली तक पहुंचाया गया है, ताकि लोगों को किसी हद तक पानी की कमी का सामना न करना पड़े।

खुबड़ू हेड से आएगा पानी

नहर विभाग के जेई दीपक ने बताया कि 28 मई को खुबड़ू हेड सोनीपत से पानी छोड़ा जाएगा, जो 30 मई तक सिहमा क्षेत्र में पहुंचने की संभावना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में 42 दिनों के चक्र में करीब 24 दिन नहर बंद रहती है और लगभग 16 दिन ही पानी की सप्लाई हो पाती है। मानसून सीजन में आपूर्ति सामान्य रहती है, लेकिन अभी भीषण गर्मी के कारण सप्लाई प्रभावित है। पानी छोड़ने का निर्णय पूरी तरह सरकार के निर्देशों पर निर्भर करता है।

यह भी प्रभावित

इसका असर महंत खेतानाथ राजकीय महाविद्यालय, राजीव गांधी स्टेडियम और श्मशान घाट तक की पानी सप्लाई पर भी पड़ रहा है। मजबूरी में ग्रामीण अब नलकूपों और कैंपर के पानी पर निर्भर हो गए हैं, जिससे उनकी आर्थिक और दैनिक समस्याएं बढ़ रही हैं।

दैनिक कार्य करना मुश्किल

बुजुर्ग महिला शारदा देवी ने बताया कि उनके घर में पानी की आपूर्ति पूरी तरह नहर पर निर्भर है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से स्थिति बेहद खराब हो गई है। अब पानी दो दिन में केवल एकबार ही आता है, जिससे दैनिक कार्य करना भी मुश्किल हो गया है। पीने, खाना बनाने और साफ-सफाई जैसी जरूरी जरूरतों के लिए भी पानी की किल्लत बनी रहती है।

नहर ही पानी का मुख्य स्रोत

संदीप ने बताया कि उनकी दुकान के सामने नहर के पानी से चलने वाली एक प्याऊ लगी हुई है, जहां राहगीरों को ठंडा पानी पिलाया जाता है। उनके पास पानी का मुख्य स्रोत केवल नहर ही है और वे प्रतिदिन प्याऊ में ताजा पानी भरते हैं, लेकिन पिछले कुछ दिनों से नहर का पानी दो दिन में एकबार और वह भी थोड़ी देर के लिए ही आ रहा है। प्याऊ के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा।

नांगल चौधरी। पेयजल के इंतजार में सुबह पांच बजे सार्वजनिक टंकी पर एकत्रित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

पानी को तरसे ग्रामीण

थनवास में तीन बोरवेलों में आठ साल से बिजली कनेक्शन नहीं

- गांव की आबादी व पेयजल खपत के अनुसार नहीं हुआ वाटर टैंकों का निर्माण
- रातभर कतार में खड़ी होने को मजबूर हैं महिलाएं, प्रशासन बना अनजान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

थनवास गांव में बीते एक महीने से पेयजल संकट बना हुआ है। परेशान ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया, बावजूद स्थिति यथावत है। जिस कारण महिलाओं को सार्वजनिक टंकियों पर रातभर कतार में खड़ी होकर पेयजल का प्रबंध करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विभाग को तीन दिन में पेयजल सप्लाई बहाल करने का अल्टीमेटम दिया है। इसके बाद खंड मुखियालय पर धरने प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी।

बिक्रम मास्टर, जगमाल रावत, मातादीन रावत, रामोतार रावत, संजय चौकीदार, हनुमान जसाईवाल, हनुमान, रविदत्त ने बताया कि थनवास गांव में 10 हजार से अधिक आबादी है, ग्रामीणों की सुविधा के लिए विभाग ने पांच बोरवेल लगाए हैं। जलस्रोत सूखने के कारण एक बोरवेल से मात्र 20 मिनट तथा दूसरे से दो घंटे की सप्लाई संभव हो पाती है। इसके बाद पंचायत के प्रस्ताव पर विभाग ने आठ साल पहले लगवाए थे, जिनमें पर्याप्त जलस्रोत हैं, लेकिन तीनों में से एक भी बोरवेल पर बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं हुआ है। इतना ही नहीं पब्लिक हेल्थ विभाग ने गांवों में कैनाल बेस्ड पेयजल सप्लाई के लिए वाटर टैंकों का निर्माण कराया था।

जल्द होगी सप्लाई बहाल

जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीओ महेश यादव ने बताया कि निजामपुर रोड पर स्थापित टैंक पर एक 50 होर्सपावर की मोटर खराब हो गई, इसलिए 35 होर्सपावर की मोटर से पेयजल सप्लाई कर रहे हैं। अब मोटर की रिपेयर हो चुकी तथा देर रात तक सप्लाई बहाल हो जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन बोरवेलों में बिजली कनेक्शन नहीं होना उनके संज्ञान में नहीं। जेई को स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जाएंगे।

नियामतपुर की पहाड़ियों में अवैध खनन कर पत्थर से भरी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस अधीक्षक दीपक के कुशल निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बीती रात थाना नांगल चौधरी की पुलिस टीम और माइनिंग विभाग की टीम ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। रात्रि गश्त के दौरान मुस्तैद संयुक्त टीम ने पूरी सतर्कता दिखाते हुए गांव नियामतपुर की पहाड़ियों में छापेमारी की, जहां रात के अंधेरे में अवैध माइनिंग कर ट्रैक्टर–ट्रॉलियों में पत्थर भरा हुआ था। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से अवैध खनन कर पत्थरों से भरी तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ा। माइनिंग विभाग द्वारा नियमों का उल्लंघन करने और अवैध खनन कर अवैध परिवहन में संलिप्त पाए जाने पर इन तीनों वाहनों को तुरंत प्रभाव से मौके पर ही सीज कर दिया गया है।

- जिला पुलिस और माइनिंग विभाग की संयुक्त कार्रवाई

नारनौल। पकड़े गए ट्रैक्टर–ट्राली। फोटो : हरिभूमि

जिला पुलिस अवैध खनन के साथ-साथ इसके अवैध परिवहन को रोकने के लिए काम कर रही है। इसी माह के भीतर जिला पुलिस द्वारा अब तक अवैध माइनिंग और सामग्री के अवैध परिवहन में लिप्त कुल सात ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़ा जा चुका है।

सुविधा महेंद्रगढ़ में मिलने लगे 'हैप्पी कार्ड', जिला उपायुक्त का जताया आभार

65 किमी दूर नारनौल जाने का झंझट खत्म

सामाजिक संगठनों की मुहिम लाई रंग, डीसी के आदेश पर शुरू 'हैप्पी कार्ड' का वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा सरकार की महत्वाकांक्षी हैप्पी कार्ड योजना के क्रियान्वयन को लेकर महेंद्रगढ़ क्षेत्र के लाभार्थियों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। प्रशासनिक दूरदर्शिता और सामाजिक संगठनों के साझा प्रयासों के चलते अब स्थानीय लोगों को अपना हैप्पी कार्ड लेने के लिए 65 किलोमीटर दूर नारनौल नहीं जाना पड़ेगा। अब इन कार्डों का वितरण स्थानीय महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर ही शुरू कर दिया गया है।

महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 104 गांवों के लगभग 7000 नए हैप्पी कार्ड बनकर रोडवेज विभाग के पास पहुंचे थे। लेकिन प्रशासन द्वारा इनका वितरण केंद्र 65 किलोमीटर दूर नारनौल को बनाए जाने के कारण लाभार्थियों में भारी रोष व्याप्त था। विशेषकर गरीब वर्ग, मजदूरों और बुजुर्गों को एक कार्ड लेने के लिए अपना पूरा दिन बर्बाद करना पड़ रहा था, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ रही थी।

महेंद्रगढ़। बस स्टैंड पर लाभार्थियों को 'हैप्पी कार्ड' वितरित करते रोडवेज कर्मी। फोटो : हरिभूमि

शिविर में सामाजिक संगठनों ने उठाया मुद्दा

ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने समाधान शिविर के दौरान जिला उपायुक्त (डीसी) को एक लिखित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि जनहित को ध्यान में रखते हुए नये हैप्पी कार्डों का वितरण पहले की तरह महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर ही सुनिश्चित किया जाए, ताकि क्षेत्र के हजारों लाभार्थियों को अनावश्यक भागदौड़ और किराए के खर्च से मुक्ति मिल सके।

डीसी के आदेश के बाद महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर वितरण शुरू

सामाजिक संगठनों की इस जायज मांग पर जिला उपायुक्त ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने रोडवेज महाप्रबंधक (जीएम) को कड़े निर्देश देते हुए महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर ही नये हैप्पी कार्ड वितरित करने के आदेश जारी किए। विभाग के अनुसार, वर्तमान में महेंद्रगढ़ बस स्टैंड पर 5030 हैप्पी कार्ड पहुंच चुके हैं और उनका वितरण भी आज से सुचारू रूप से शुरू कर दिया गया है। स्थानीय स्तर पर कार्ड मिलने से क्षेत्र के हजारों लाभार्थियों को बड़ी राहत मिली है। इस त्वरित समाधान और जनहित में लिए गए फैसले को लेकर सामाजिक संगठनों और स्थानीय ग्रामीणों ने जिला उपायुक्त का आभार व्यक्त किया है।

पाकिस्तानी क्रिकेटर का किरदार निभाएंगे फरहान

मुंबई। फरहान अख्तर इन दिनों रणवीर सिंह के साथ 'डॉन 3' विवाद को लेकर चर्चाओं में हैं। इसी बीच उनके काम से जुड़ी भी एक खबर आ रही है। फरहान जल्द ही क्रिकेटर लाला अमरनाथ पर बन रही फिल्म में कैमियो रोल कर सकते हैं। वह फिल्म में एक पाकिस्तानी क्रिकेटर की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। इसमें उनका किरदार लाला अमरनाथ के बेहद नजदीक है और भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। हालांकि, अभी मेकर्स ने और फरहान ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया। बता दें वह इस प्रोजेक्ट से निर्माता के तौर पर भी जुड़े हुए हैं। क्रिकेटर लाला अमरनाथ पर बन रही इस बायोपिक को कई निर्माता मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं।

लाइफ Style

पूजा इकोज ऑफ अस को लेकर हैं सुर्खियों में

पूजा बत्रा की बतौर निर्माता फिल्म 'इकोज ऑफ अस'को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में प्रदर्शित किया गया, जिसे लेकर अभिनेत्री ने खुशी जाहिर की। पूजा ने सोशल मीडिया पर रेड कार्पेट से अपनी ग्लैमरस तस्वीरें साझा करते हुए इस उपलब्धि को यादगार बताया।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एक्ट्रेस पूजा बत्रा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म इकोज ऑफ अस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म इकोज ऑफ अस एक इमोशनल ड्रामा है, जो प्रेम, बिछड़ने के दर्द और मानवीय रिश्तों की जटिल भावनाओं को दर्शाती है। इस फिल्म में यूलिया वंतूर ने अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत की है। उनके साथ दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरेडिज भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन जो राजन ने किया है, जबकि इसे पूजा बत्रा ने अपने लॉस एंजिल्स स्थित प्रोडक्शन हाउस 'ग्लोबेलिंक'के तहत एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से प्रोड्यूस किया है। महज 20 मिनट लंबी इस शॉर्ट फिल्म ने दुनियाभर के कई फिल्म समारोहों में जबरदस्त सराहना हासिल की है। पूजा बत्रा ने इंस्टाग्राम पर कान्स फिल्म फेस्टिवल से अपनी कई ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह रेड कार्पेट पर बेहद खूबसूरत अंदाज में नजर आईं। पोस्ट के साथ अभिनेत्री ने फिल्म और अपनी टीम के लिए एक भावुक नोट भी लिखा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, कान्स यानी के-ए-एन, क्योंकि हम कर सकते हैं। फिल्म अब तक 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकी है।

हॉलीवुड मसाला

जीता आर्टिस्ट ऑफ द ईयर अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। के-पॉप बैंड बीटीएस के फैंस दुनियाभर में हैं। इस बार अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड्स 2026 में इस बैंड ने लगभग तीन अवॉर्ड अपने नाम किए। पहला पुरस्कार उन्होंने 'आर्टिस्ट ऑफ द ईयर' का जीता। इसके बाद बैंड ने 'स्विम' के लिए सॉन्ग ऑफ द समर और बेस्ट मेल के-पॉप आर्टिस्ट का खिताब भी अपने नाम किए। इसके पहले बीटीएस ने 2021 में यह पुरस्कार अपने नाम किया था। अमेरिकन म्यूजिक अवॉर्ड्स में सिंगर सबरीना कारपेंटर के एल्बम 'मैन्स बेस्ट फ्रेंड' को एल्बम ऑफ द ईयर और बेस्ट पॉप एल्बम का अवॉर्ड दिया गया।

ब्रैड तलाक के बाद के हालात के कारण नहीं कर रहे शादी!

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सुपरस्टार ब्रैड पिट एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर यह खबर जंगल में आग की तरह फैल रही है कि एंजेलिना जोली से तलाक के बाद वह दोबारा शादी करने वाले हैं। ब्रैड पिट इन दिनों खुद से 29 साल छोटी इनेस डी रेमोन को डेट कर रहे हैं। दोनों करीब 4 साल से एक-दूसरे के साथ हैं। हालांकि, शादी की खबरों को एक हालिया रिपोर्ट ने फर्जी बताया है। रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र ने कहा है, 'ब्रैड और इनेस की जोड़ी आपस में 'बहुत खुश' है। ऑस्कर जीत चुके एक्टर 'अपनी शांत स्वभाव वाली गर्लफ्रेंड से मिलने वाले सुकून और सहारे का आनंद ले रहे हैं। हालांकि, उनका शादी को लेकर अभी कोई प्लान नहीं है। इसकी एक वजह एंजेलिना जोली से उनके अलगाव के बाद के हालात हैं। वैसे, ब्रैड पिट की तरह ही इनेस भी तलाकशुदा हैं। ब्रैड पिट की उम्र 62 साल है।

शकीरा के डांस की दीवानी हुईं अमीषा

मुंबई। अभिनेत्री अमीषा पटेल इन दिनों सोशल मीडिया पर दो बातों को लेकर काफी चर्चा में हैं। पहली वजह है पॉप स्टार शकीरा की तारीफ करना और दूसरी वजह है बॉलीवुड के नए कलाकारों पर गुस्सा निकालना। मशहूर सिंगर शकीरा ने फीफा विश्व कप 2026 के ऑफिशियल गाने 'दाई दाई' से धमाकेदार वापसी की है। इस गाने में उनके साथ नाइजीरियाई सिंगर बर्ना बॉय भी हैं। गाने के एक वीडियो में शकीरा पीले रंग के कपड़ों में शानदार डांस करती नजर आ रही हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए अमीषा पटेल ने लिखा, 'वाह शकीरा, आप 49 साल की उम्र में भी कमाल हैं। आपका डांस, ड्रेस और लुक 25 साल की उम्र से भी ज्यादा हॉट और खूबसूरत है।'

है जवानी तो इश्क होना है... का गाना रिलीज

मुंबई। 'है जवानी तो इश्क होना है' के मेकर्स ने मंगलवार को वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े पर फिल्माया गया गाना 'चुनरी चुनरी' रिलीज किया। जहां डांस स्टेप्स, नएपन और गाने की वाइब ने लोगों का ध्यान खींचा, वहीं कुछ लोगों को पुराने वर्जन और सलमान खान-सुष्मिता सेन की याद आ गई। यह गाना सलमान खान और सुष्मिता सेन पर फिल्माए गए 'चुनरी' गाने का रीमेक है। ऐसा लगता है कि नेटिजन्स को यह गाना ज़्यादा पसंद नहीं आया। एक ने लिखा- सलमान और सुष्मिता की एनर्जी का कोई मुकाबला नहीं। एक यूजर ने कहा- सलमान कोने में रो रहे होंगे। एक कमेंट में लिखा था- इससे घटिया क्या ही होगा। हाल ही में एक इवेंट में, मस्ती भरे माहौल में कैमरों के सामने पोज देते हुए, सलमान खान ने वरुण धवन का मजाक उड़ाया था।

टीवी मसाला

रमाकांत की मौजूदगी हर सीन को कर देती थी रोशन

नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड फिल्मों में नजर आने वाले दिग्गज अभिनेता रमाकांत दायमा का 26 मई को निधन हो गया। इस खबर को सुनकर उनके करीबी और फैंस गहरे शोक में डूब गए हैं। टीवी अभिनेता करण मेहरा ने भी रमाकांत दायमा के निधन पर शोक जताया है। उनके लिए एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर लिखी है। टीवी अभिनेता करण मेहरा ने एक भावुक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, 'आज हमने एक अद्भुत शख्सियत को खो दिया है। एक ऐसा इंसान जिनकी आवाज बुलंद थी, उनकी मौजूदगी हर सीन को रोशन कर देती थी। वह सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता और प्रतिभाशाली गायक ही नहीं थे, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक पिता-तुल्य हस्ती और न जाने कितने लोगों के दोस्त भी थे। उनकी दयालुता, उनकी कला और उनकी गर्मजोशी हम सभी के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगी। उनका प्यार और उनका जुनून हमेशा हमारे दिलों में गूंजता रहेगा। ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे।' अभिनेता रमाकांत दायमा के निधन पर सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने भी शोक व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर एक शोक संदेश साझा करते हुए एसोसिएशन ने लिखा, 'गहरे दुख के साथ हम श्री रमाकांत दायमा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, वे एक सम्मानित पूर्व कार्यकारी समिति सदस्य और हमारी इंडस्ट्री का एक खास हिस्सा थे।' वर्षों के अभिनय करियर में रमाकांत दायमा ने कई फिल्मों, टेलीविजन सीरियल और थिएटर प्ले में काम किया। शाहरुख खान अभिनीत चक दे इंडिया के अलावा वह धनक जैसी फिल्मों में नजर आए। रमाकांत दायमा के मौत की पुष्टि उनकी साथी एक्ट्रेस शुभांगी लटकर ने सोशल मीडिया पर की है।

मेरे कारण-अर्जुन आ गए : दिव्यांका

नई दिल्ली। टीवी सीरियल ये है मोहब्बतें में ईशी मां का रोल से प्रसिद्ध हुईं दिव्यांका त्रिपाठी शादी के 10 साल बाद मां बन गई हैं। उनकी खुशी डबल हो गई है, क्योंकि उन्होंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया है। दिव्यांका और उनके पति विवेक ने इस खुशखबरी को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर किया है। दिव्यांका जुड़वां बच्चों की मां बन गई हैं। 26 मई को दिव्यांका और विवेक ने इंस्टाग्राम पर दो जुड़वां बेटों की तस्वीर वाला पोस्टर शेयर करके खुशखबरी दी। पोस्टर पर लिखा, 'हमने खुशी मांगी थी, भगवान ने कहा, 'दोगुनी खुशी लो।'जुड़वा बेटों का आशीर्वाद मिला है।' दिव्यांका और विवेक ने आगे लिखा, 'इंतजार आखिरकार खत्म हुआ, हमारे बेटे आ गए हैं और जिंदगी हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा खूबसूरत लग रही है। मेरे करण अर्जुन आ गए।'

पिता की पुण्यतिथि पर भावुक हुए संजय, साझा कीं पुरानी तस्वीरें

मुंबई। अभिनेता संजय दत्त अपने जीवन के उतार-चढ़ाव के बाद अपने परिवार के बेहद करीब रहे हैं। हाल ही में अपने दिवंगत पिता और दिग्गज अभिनेता सुनील दत्त की 21वीं पुण्यतिथि पर संजय ने उनसे जुड़ी यादें ताजा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने परिवार की कुछ पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए पिता को याद किया। संजय दत्त अपने पिता के काफी करीब रहे हैं। एक्टर के हर बुरे वक्त में सुनील दत्त उनके साथ मजबूती से खड़े रहे थे। पिता की पुण्यतिथि के मौके पर संजय ने कुछ पुरानी पारिवारिक तस्वीरें साझा कीं। इसमें से एक में जहां वो बचपन में अपने पिता की गोद में बैठे नजर आए। वहीं, एक अन्य तस्वीर में वो बहनों प्रिया-नम्रता दत्त और पिता के साथ खड़े हैं। ये ब्लैक एंड वाइट फोटोज संजय के जवानी के दिनों की याद दिलाती हैं। संजय दत्त ने इन तस्वीरों के साथ एक भावुक कैप्शन लिखा। एक्टर ने लिखा, 'पापा, मैं आपको हमेशा याद करता रहूंगा और आपसे बहुत प्यार करता हूं। आप मेरे जीवन में हमेशा

से एक मजबूत स्तंभ रहे हैं। आपके जैसा पिता पाकर मैं खुद को खुशनसीब महसूस करता हूं।' बता दें, अभिनेता सुनील दत्त का निधन 25 मई 2005 में 75 वर्ष की उम्र में हुआ था। उन्हें नींद में ही दिल का दौरा पड़ा था। उनकी पत्नी यानी संजय की मां नरगिस कई साल पहले ही दुनिया को अलविदा कह चुकी थीं। सुनील दत्त का हिंदी सिनेमा में एक अलग मुकाम रहा है। उन्होंने बॉलीवुड को 'एक ही रास्ता' और 'मदर इंडिया' जैसी सफल फिल्में दी हैं। इसके अलावा 'सुजाता', 'गुमराह', 'हमराज', 'पड़ोसन' और 'हीरा' जैसी फिल्मों में उनकी एक्टिंग के लिए आज भी दर्शक उन्हें याद करते हैं। एक सफल करियर के बाद सुनील आखिरी बार बेटे संजय दत्त के साथ ही पर्दे पर दिखाई दिए थे। उन्होंने 2003 में रिलीज हुई संजय दत्त की फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' में उनके पिता का किरदार निभाया था।

कांतारा विवाद के बाद रणवीर ने किए चामुंडेश्वरी देवी मंदिर के दर्शन

मुंबई। धुरंधर स्टार रणवीर सिंह मंगलवार को मैसूर के चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करने पहुंचे। उन्होंने यह कदम धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगने के बाद उठाया है। रणवीर सिंह ने यह कदम कांतारा फिल्म में दैव की विवादास्पद मिमिक्री के संबंध में कर्नाटक हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए उठाया। रणवीर सिंह ने मंदिर का दौरा 'कांतारा' मिमिक्री मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट के एक निर्देश के बाद किया है। अप्रैल में रणवीर सिंह ने इस मामले में अदालत में एक हलफनामा जमा किया था और बिना शर्त माफी मांगी थी। इसके बाद अदालत ने उन्हें चार हफ्तों के भीतर चामुंडेश्वरी मंदिर में पूजा करने का आदेश दिया। रणवीर सिंह ने अदालत के आदेश का पालन किया और देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की। उनके इस दौरे को काफी हद तक गुप्त रखा गया था। एक्टर को मंगलवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने तक मास्क पहना हुआ था। बाद में, वे पूजा करने के लिए गर्भगृह में प्रवेश कर गए। यह मामला 30 नवंबर, 2025 को गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया की एक घटना से जुड़ा है। इस समारोह के दौरान, रणवीर सिंह ने 'कांतारा' के उस 'दैव' दृश्य की नकल की थी, जिसमें फिल्म के निर्देशक और अभिनेता

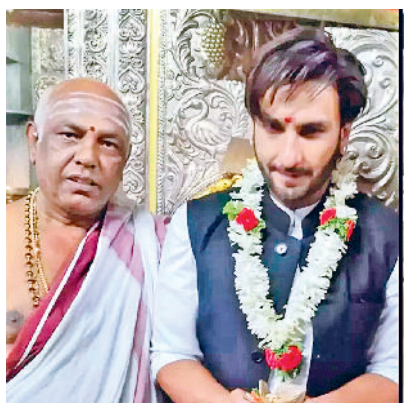

ऋषभ शेट्टी नजर आए थे। रणवीर सिंह का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद कन्नड़ भाषी समुदाय के एक वर्ग की ओर से उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा। बाद में, रणवीर सिंह ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इस आलोचना का जवाब दिया और अपनी इस हरकत के लिए माफी मांगी। उन्होंने लिखा, 'मेरा मकसद फिल्म में ऋषभ के अभिनय को उजागर करना था।

95 साल पहले ऐसे हुई पहले गाने की शूटिंग

ट्रेन के रुकने का इंतजार, रात को शूटिंग, पेड़ों के पीछे दिया संगीत

नई दिल्ली। भारतीय सिनेमा में जितना प्यार फिल्मों को मिला है, उतना ही प्यार उन फिल्मों के संगीत से भी किया गया है। अब तो मानो हर फिल्म की रूह उसके संगीत को ही माना जाता है। फिल्मों में अगर संगीत ना हो तो मानो वह फिल्में अधूरी सी लगती हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारतीय सिनेमा का पहला गाना कौन सा था? इस गाने की कहानी क्या थी?

साल 1931 में आया था पहला गाना

अक्सर लोगों के मन में सवाल आता है कि जिन गानों पर असल में हम झूमते हैं और डांस करते हैं आखिर उन्हीं गानों की सिनेमा में कहानी क्या है? फिल्मों का पहला गाना क्या था, तो इसका जवाब है कि सिनेमा का पहला गाना साल 1931 में आया था। जी हां, भारतीय सिनेमा का पहला गाना है, 'दे दे खुदा के नाम पर प्यारे, ताकत हो गर देने की...'। यह गाना साल 1931 में रिलीज हुई भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' का है। इसी गाने को सिनेमा का पहला गाना कहा जाता है।

कैमरे के सामने गाया था लाइव गाना

कुछ आर्काइव रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस दौर में बड़े वाद्य यंत्र या फिर कोई खास उपकरण नहीं होते थे। ऐसे में डब्ल्यू. एम. खान ने कैमरे के सामने इस गाने को लाइव गाया था और उनके साथ बजने वाले वाद्य यंत्रों को भी उसी वक्त लाइव बजाया गया था। गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान हारमोनियम और एक तबला बजाया गया था। कहा जाता है कि, संगीतकार फिरोजशाह मिस्त्री हारमोनियम और तबला लेकर कैमरे के पीछे, स्टूडियो के एक कोने में छिपकर बैठ गए थे, ताकि वह फ्रेम में न आएं, और उनकी आवाज सीधे माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो सके।

सिंगर नहीं, एक्टर ने गाया था गाना

इस गाने को किसी पेशेवर सिंगर ने अपनी आवाज नहीं दी थी। उस दौर में 'प्लेबैक सिंगिंग' की तकनीक तब उतनी प्रचलित नहीं थी। इस गाने को फिल्म आलम आरा के ही एक अभिनेता डब्ल्यू. एम. खान (वजीर मोहम्मद खान ने गाया था। फिल्म में उन्होंने एक फकीर का किरदार निभाया था और यह गाना उसी फकीर पर फिल्माया गया था, जिसमें उन्होंने ही इसे आवाज दी और उन्होंने ही इस पर एक्ट भी किया था।

कोई रिकॉर्ड अब नहीं बचा

इन बीते वर्षों में भारत की पहली बोलती फिल्म का कोई रिकॉर्ड अब नहीं बचा है। आलम आरा फिल्म के प्रिंट्स और इसके गानों के ओरिजिनल साउंड ट्रैक अब खो चुके हैं। महज कुछ ही तस्वीरें और रिकॉर्ड्स बाकी हैं, जिन्हें संजोकर रखा गया है।

ज्योति स्टूडियो में की गई थी शूटिंग

जब ये गाना रिकॉर्ड हुआ तो उस दौरान काफी कुछ नया हुआ था। दरअसल 'आलम आरा' फिल्म और इसके गानों की शूटिंग मुंबई के 'ज्योति स्टूडियो' में की गई थी। परेशानी की बात तो यह थी कि ये स्टूडियो रेलवे ट्रैक के पास ही मौजूद था, ऐसे में दिनभर यहां पर ट्रेनों की आवाजाही रहती थी। जब गाने की शूटिंग होती थी तो उस वक्त ट्रेनों का शोर नहीं होता था। उस दौर में सिंगल साउंड सिस्टम से ही रिकॉर्डिंग की जाती थी। ऐसे में हल्का सा भी शोर इसके लिए परेशानी बन जाता, तो जब ट्रेनें रुक जाती थीं तभी गाने की रिकॉर्डिंग की जाती थी। इसलिए गाने और फिल्म की शूटिंग रात के 1 बजे से सुबह 4 बजे के बीच की जाती थी।

खबर संक्षेप

स्कूल व आश्रम में रखे पक्षियों के लिए सकोरे

नारनौल। भीषण गर्मी को देखते हुए युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से ढाणी मालियान स्कूल व शांडिल्य आश्रम थनवास में पक्षियों के लिए पानी के सकोरे लगाए गए। संस्था के सदस्यों ने कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों को पानी की बहुत आवश्यकता होती है, इसलिए सभी नागरिकों को अपने घरों व सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। इस सेवा कार्य में योगेश सैनी, कुलदीप, नरेंद्र व तनुज ने विशेष योगदान दिया।

सीएससी सेंटर को चालू करवाने की मांग

नारनौल। राष्ट्रीय सैनी सभा हरियाणा की जिला इकाई की ओर से उपायुक्त अनुपमा अंजली को ज्ञापन सौंपकर नसीबपुर क्षेत्र में जेठू बाबा मंदिर के समीप बने सीएससी सेंटर को शीघ्र प्रभाव से चालू करवाने की मांग उठाई गई। सभा पदाधिकारियों ने बताया कि सरकार की ओर से लाखों रुपये की लागत से बनाए गए इस सेंटर के लंबे समय से बंद पड़े रहने के कारण आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है।

नांगलमाला की पहाड़ी पर फिर गूंजेगी वेद शिक्षा और संत परंपरा की ध्वनि

114 साल पुराने दंडी स्वामी बलभद्र आश्रम व पाठशाला का पुनरुद्धार शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सतनाली क्षेत्र के गांव नांगलमाला की पहाड़ी पर स्थित करीब 114 साल पुराने दंडी स्वामी बलभद्र आश्रम एवं संस्कृत पाठशाला के पुनरुद्धार का कार्य शुरू हो गया है। लंबे समय से वीरान पड़े इस ऐतिहासिक गुरुकुल परिसर में इन दिनों फिर से चहल-पहल दिखाई देने लगी है। संत समाज और ग्रामीणों के सहयोग से यहां कुटिया निर्माण, रास्ते का निर्माण, प्राचीन गुफा और तालाब के संरक्षण सहित कई कार्य किए जा रहे हैं। क्षेत्र के लोगों में इस प्राचीन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर के पुनर्जीवन को लेकर उत्साह बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार दंडी स्वामी बलभद्र वर्ष 1912 में काशी में वेद अध्ययन करने के बाद नांगलमाला की पहाड़ी पर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने यहां संस्कृत पाठशाला, आश्रम और गोसेवा केंद्र की स्थापना की। उस समय महेंद्रगढ़, सतनाली, भिवानी, दादरी सहित राजस्थान के चिड़ावा और झुंझुनूं क्षेत्रों से भी लोग अपने बच्चों को वेद अध्ययन और आध्यात्मिक शिक्षा के लिए इस गुरुकुल में भेजते थे। आज भी पहाड़ी पर आश्रम का पुराना रसोईघर, कुटिया और विशाल जाल का पेड़ मौजूद है। स्थानीय लोग इस पेड़ को पीलू या मिसवाक के नाम से जानते हैं। मान्यता है कि इसी पेड़ के नीचे बैठकर शिष्य वेदों का अध्ययन किया करते थे। अब इस ऐतिहासिक गुरुकुल को पुनर्जीवित करने का बीड़ा स्वामी कृष्णस्वरूप ब्रह्मचारी और श्यामस्वरूप ब्रह्मचारी ने उठाया है। स्वामी कृष्णस्वरूप ब्रह्मचारी आश्रम माजरी (पचेरी) के संस्थापक हैं और वे दंडी स्वामी जी के शिष्य जगनस्वरूप ब्रह्मचारी की परंपरा से जुड़े हुए हैं। पहाड़ी पर लगभग एक एकड़ से अधिक समतल भूमि गुरुकुल के नाम दर्ज है। वर्तमान में दंडी स्वामी जी की प्राचीन कुटिया को व्यवस्थित किया जा चुका है, जबकि नई कुटिया का निर्माण कार्य जारी है। हाल ही में यहां आठ दिवसीय रामचरितमानस पाठ और कथा का आयोजन भी किया गया। इसके अलावा पहाड़ी तक पहुंच आसान बनाने के लिए मशीनों से नया रास्ता तैयार कराया गया है। डिगरोता के सरपंच प्रतिनिधि डॉ. अभिषेक ने बताया कि गांववासियों और संत समाज के सहयोग से इस ऐतिहासिक धरोहर को फिर से स्थापित किया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भारतीय संस्कृति, वेद शिक्षा और संत परंपरा से जुड़ सकें।

महेंद्रगढ़। नांगलमाला पहाड़ी पर बना दंडी स्वामी बलभद्र का आश्रम व आश्रम को पुनर्जीवित करने के लिए मीटिंग करती साधु संगत। फोटो : हरिभूमि

स्वामी जी के वैकुंठ प्रस्थान के बाद बंद हो गया था गुरुकुल

बताया जाता है कि वर्ष 1957 में दंडी स्वामी बलभद्र जी के वैकुंठ प्रस्थान के बाद धीरे-धीरे गुरुकुल की गतिविधियां बंद हो गईं। इसके बाद 1958 में पंडित सोहनलाल वैद्य ने इस संस्कृत पाठशाला को गांव के वर्तमान सरकारी स्कूल परिसर में स्थानांतरित कर दिया। समय बीतने के साथ पहाड़ी पर स्थित मूल आश्रम उपेक्षा का शिकार हो गया।

प्राचीन गुफा और तालाब को भी किया जा रहा संरक्षित

आश्रम परिसर में स्थित प्राचीन गुफा की भी साफ-सफाई करवाई गई है। मान्यता है कि दंडी स्वामी महाराज इसी गुफा में तपस्या करते थे और उन्हें यहां भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन हुए थे। पहाड़ी पर बने पुराने पत्थर के तालाब को भी पुनर्जीवित किया जा रहा है। यह तालाब आज भी गांव की जलापूर्ति का महत्वपूर्ण स्रोत माना जाता है। राजावास नहर से यहां पानी पहुंचता है तथा तालाब के संरक्षण के लिए लैटर निर्माण सहित अन्य कार्य चल रहे हैं।

नारनौल। कैंप का शुभारंभ करते हुए। फोटो : हरिभूमि

निःशुल्क आयुष शिविर में 37 मरीजों ने उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किला रोड स्थित वरिष्ठ नागरिक संगठन (पंजीकृत) के कार्यालय साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में आयुष विभाग जिला महेंद्रगढ़ के सहयोग से निःशुल्क आयुष जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 37 मरीजों ने स्वास्थ्य जांच, परामर्श और निःशुल्क दवाइयों का लाभ उठाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि और साध्वी बहन मिश्री देवी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शशि बाला और उनकी टीम मौजूद रही। वरिष्ठ नागरिक संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर इस प्रकार के शिविर लगाए जाते हैं। शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. सोनिया चौधरी ने मरीजों की जांच कर निःशुल्क औषधियां वितरित कीं। वहीं डॉ. भूपेंद्र कुमार और डॉ. विनय कुमार ने मरीजों की बीपी और शुगर जांच की। डॉक्टरों ने लोगों को गर्मी के मौसम में अधिक पानी पीने, जौ के सत्तू का सेवन करने तथा दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी। डॉ. सुमन कुमारी ने मरीजों को नीडल थेरेपी के माध्यम से जोड़ों के दर्द और अन्य समस्याओं में राहत प्रदान की। आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट विजय कुमार तथा होम्योपैथिक फार्मासिस्ट भूपेंद्र कुमार ने दवाइयों का वितरण किया। कार्यक्रम के अंत में संगठन की ओर से आयुष विभाग की टीम को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर विजय सिंह यादव, प्रो. शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, अजीत प्रकाश जैन, सुरेश भारद्वाज, राजकुमार चौधरी एडवोकेट सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं गोवर्धन पूजा का हुआ वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के रेलवे रोड स्थित मास्टर कॉलोनी के किशोरी कुंज में कौशल्या देवी शिव मंदिर ट्रस्ट में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानोत्सव के दौरान कथा व्यास अक्षय कृष्ण ठाकुर महाराज के द्वारा कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला पूतना वध, माखन चोरी, मटकी फोड़, ऊखल बंधन एवं गोवर्धन पूजा का वर्णन किया गया, जिसमें मास्टर अमरसिंह सोनी के निर्देशन में गोवर्धन पर्वत उठाते हुए श्रीकृष्ण और ग्वालों की मनमोहक झांकी भी बनाई गई। इस कार्यक्रम के मुख्य यजमान कथा प्रबंधक मामन चौधरी एवं आशा गर्ग सपरिवार थे, जबकि गोवर्धन पूजा का कार्य पंडित रामनिवास शास्त्री के द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार से करवाया गया।

कथाव्यास ने बताया कि देवराज इंद्र का मान मर्दन करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर मूसलाधार वर्षा से सभी ब्रज वासियों की रक्षा की थी, तभी से सभी मंदिरों में गोवर्धन पूजा प्रारंभ हुई और अन्नकूट का प्रसाद बनने लगा। इस अवसर पर वार्ड पार्षद सरिता राठी, सुरेश चौधरी, पुरुषोत्तम चौधरी, सुभाष झूकिया, मुकेश झूकिया, रमेश पंडित, प्रेम चौधरी, सुभाष बसई, बालकृष्ण नांगलिया, नरेश पंडित, सुभाष आसोदिया, गौरव अग्रवाल, सुरेंद्र चौधरी, रामकुमार झूकिया, संगीतकार हरकेश, बाबुनाथ, राजा, मुकेश भंडारी उपस्थित रहें।

महेंद्रगढ़। गोवर्धन पर्वत उठाएं हुए श्रीकृष्ण। फोटो : हरिभूमि

डीआईजी राजसिंह यादव का निधन

नारनौल। सीआरपीएफ के रिटायर उप महानिरीक्षक राजसिंह यादव का लगभग 87 साल की उम्र मे रेवाड़ी के एक निजी अस्पताल मे निधन हो गया वो पिछले कुछ समय से बीमार थे। उनका अंतिम संस्कार कनीना में किया गया। उनके निधन की खबर से कस्बे व आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर छा गयी।

राजसिंह यादव का जन्म कनीना मे हुआ था। उनके दादा चौधरी मेजर भवानी सिंह ने दोनों विश्वयुद्ध में भाग लिया था। उनकी बहादुरी के चलते ब्रिटिश सरकार ने उनको विशेष ख़िताब से सम्मानित किया था। राजसिंह यादव राजस्थान विश्वविद्यालय की हॉकी टीम के कप्तान भी रहे। वो भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद पर नियुक्त हुए और 1965 की भारत पाकिस्तान लड़ाई में वो लाहौर तक जा पहुंचे थे। पंजाब में आतंक के दौरान उनकी भूमिका बहुत अहम रही थी। उनके अंतिम यात्रा में कस्बे के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया।

सेक्टर 1 में सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंची डीसी

ड्रेनेज सिस्टम की मिसिंग पाइप लाइनों को डालने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने लघु सचिवालय में जिला स्तरीय एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन समिति की बैठक ली। इस मौके पर उन्होंने एचएसवीपी सेक्टर की सुविधाओं को लेकर भी आरडब्ल्यूए की समस्याएं सुनी। इसके बाद उपायुक्त ने अधिकारियों को साथ लेकर खुद सेक्टर का निरीक्षण किया। शहर को साफ सुथरा रखना और कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना सरकार तथा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। ऐसे में इस मामले में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने सेक्टर एक में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं पर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित पड़े मुद्दों का जल्द से जल्द समाधान निकालने की हिदायत दी। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार आम जनता की सुविधाओं से जुड़े कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए, ताकि स्थानीय निवासियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। उपायुक्त ने ड्रेनेज सिस्टम की मिसिंग पाइपलाइन को मैप पर देखा तथा सभी मिसिंग लाइनों को जल्द से जल्द डालने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मौजूद रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने उपायुक्त के सामने सेक्टर की समस्याओं को रखा। इस पर संज्ञान लेते हुए डीसी ने अधिकारियों को बारिश के मौसम से पहले सीवरेज व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने और सभी नालियों की सफाई करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पार्कों में पानी भरने की समस्या पर उपायुक्त ने अधिकारियों को इसका स्थाई समाधान खोजने को कहाए ताकि जनता को परेशानी न हो। आमजन की सुरक्षा के मद्देनजर उपायुक्त ने अधिकारियों को अगले तीन दिन के भीतर सेक्टर के सभी मैनहोल पर ढक्कन लगाने के निर्देश दिए।

नारनौल। सेक्टर में सुविधाओं का जायजा लेती डीसी अनुपमा अंजली।

एसटीपी को पूरी क्षमता और सुचारू रूप से चलाया जाए

इसके साथ ही उन्होंने सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट पर पहुंचकर कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि एसटीपी को पूरी क्षमता और सुचारू रूप से चलाया जाए, ताकि अपशिष्ट पानी का सही तरीके से निपटान हो सके।

लोगों के विश्वास का केन्द्र बना आस्था इमेजिंग सेंटर

एमआरआई, सीटी स्कैन एवं अल्ट्रासाउंड की सुविधाएं उपलब्ध : डॉ. महेश कुमार

महेंद्रगढ़। राव तुलाराम चौक पर स्थित आस्था इमेजिंग सेंटर संचालक डॉ. महेश कुमार ने स्पष्ट कहा है कि उनके संस्थान में सभी कार्य कानून एवं सरकारी विभागों की नीतियों के अनुसार ही किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि उनका संकल्प समाज में बेटी बचाओ जैसे कानून का सम्मान करने का है तथा लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। डॉ. महेश कुमार ने कहा कि कि आस्था इमेजिंग सेंटर लोगों के विश्वास का केंद्र बन चुका है, जहां मरीजों की जांच आधुनिक एवं नवीनतम उपकरणों द्वारा की जाती है। सेंटर में एमआरआई, सीटी स्कैन एवं अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के लिए भी सेंटर में किफायती दरों पर जांच की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है, ताकि हर वर्ग का व्यक्ति आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सके। डॉ. महेश कुमार ने बताया कि आस्था इमेजिंग सेंटर पूरी तरह सरकारी नीतियों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करता है। उन्होंने कहा कि इस सेंटर पर कोई भी मरीज एक्सपर्ट डॉक्टर के रेफर करने पर ही आते हैं, अन्य किसी भी मरीज की जांच नहीं करते। सेंटर हमेशा पारदर्शिता एवं नियमों के पालन के साथ कार्य करता आया है।

महेंद्रगढ़ उपमंडल ने जनगणना के प्रथम चरण में जिले में प्राप्त किया प्रथम स्थान

- राजकीय महाविद्यालय में नजरिया नक्शे एवं आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने की प्रक्रिया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत उपमंडल में संपन्न हुए मकान गणना कार्य के उपरांत राजकीय महाविद्यालय में आवश्यक दस्तावेजों एवं नजरिया नक्शों को जमा करवाने की प्रक्रिया विधिवत रूप से प्रारंभ की गई। यह कार्य आगामी तीन दिनों तक निर्धारित तिथि एवं समयानुसार जारी रहेगा। सहायक चार्ज अधिकारी राजेश शर्मा झाड़ली एवं दीपक कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि जिला उपायुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी महेंद्रगढ़ अनुपमा अंजली के निर्देशानुसार तथा उपमंडल अधिकारी नागरिक योगेश सैनी आईएएस के नेतृत्व में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान गणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। उन्होंने बताया कि उपमंडल महेंद्रगढ़ ने जिले में सबसे पहले मकान गणना कार्य पूर्ण कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो सभी पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों की मेहनत एवं समर्पण का परिणाम है। उन्होंने बताया कि 26 मई से राजकीय महाविद्यालय में नजरिया नक्शे, मकान गणना से संबंधित प्रपत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह समस्त कार्य अजय कुमार सैनी, तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी, जनगणना उपमंडल महेंद्रगढ़ के मार्गदर्शन एवं देखरेख में संपन्न कराया जा रहा है।

महेंद्रगढ़। पर्यवेक्षक की बैठक लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अजय कुमार सैनी तहसीलदार, राजेश कुमार झाड़ली, दीपक कुमार शर्मा, हरीश रोहिल्ला, शंकर लाल, दीपक कुमार, प्रदीप कुमार, सुनील कुमार, ओमवीर सिंह, संजय, सुनील शर्मा सहित अनेक पर्यवेक्षक एवं प्रगणक उपस्थित रहे।

प्राइवेट गोल्ड लोन कंपनी का वार्निंग सायरन पूरी रात बजा

नारनौल। शहर के रेवाड़ी रोड स्थित एक प्राइवेट गोल्ड लोन कंपनी का वार्निंग सायरन पूरी रात बजता रहा, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी व दहशत का माहौल बना रहा। रात करीब 10 बजे शुरू हुआ सायरन सुबह नौ बजे तक लगातार बजता रहा, लेकिन कंपनी प्रबंधन इसे बंद नहीं करा सका। घटना महावीर चौक के पास पेट्रोल पंप के नजदीक स्थित गोल्ड लोन कंपनी की है। बताया जा रहा है कि कंपनी के सुरक्षा सिस्टम में तकनीकी खराबी आने के कारण सायरन अचानक बजना शुरू हो गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोगों को किसी चोरी या बड़ी वारदात की आशंका हुई। सूचना मिलने पर पुलिस भी रात में दो बार मौके पर पहुंची और कंपनी कर्मचारियों से संपर्क करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने बताया कि रातभर तेज आवाज के कारण ठीक से सो नहीं सके। सुबह तक भी सायरन बंद नहीं हुआ, तो राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

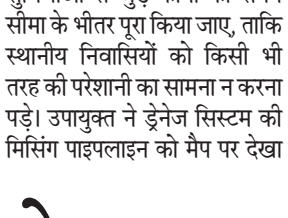

कनीना कोर्ट परिसर में वकीलों ने लगाई छबील

कनीना। ज्येष्ठ माह की भीषण गर्मी से राहत देने के लिए मंगलवार को कोर्ट परिसर में बार एसोसिएशन की ओर से छबील का आयोजन किया गया। इस दौरान वकीलों, कोर्ट कर्मचारियों व आगंतुकों को ठंडा व मीठा जल पिलाया गया। बार एसोसिएशन के प्रधान मंजीत यादव ने बताया कि सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति में प्यासे को पानी पिलाने का विशेष महत्व है। इस मौके पर बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान हरीश गाहडा, ओपी यादव, कुलदीप कनीनवाल, सुनील रामबास, सुधीर यादव, अमित कोका, नवीन कौशिक, कुणाल, हरीश, रितिक, अनमोल, आशु, अमन आदि उपस्थित थे।

ब अदालत जनाब सहायक कलैक्टर प्रथम श्रेणी कनीना।
राजवन्ती बनाम रामसिंह वगैरा
दरखास्त तकसीम
केस दरखास्त तकसीम बाबत वाका बिश्वेदार मौजा खेडी तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ की आराजी खेवट नं. 8 खतौनी नं. 8 किते 8 रकबा तादादी 46 कनाल 15 मरला मे 4/187 भाग व बरूये जमाबन्दी साल 2017-18 वाका मौजा बाघोत तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ बदले मु. 155/- रूपये रकम जरे रहन अदाशुदा या जिस कदर भी अदालत श्रीमान जी करार करे।
आगामी तारीख पेशी :- 30.06.26
बअनुवान:- म. नं. 550/RT
दिनांक-26.05.26
1- राजवन्ती पत्नि सत्यवीर पुत्र मनफुल बासी बाघोत तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़। ....सायल
बनाम
2ए-फुलचन्द 2बी- रामसिंह, 2सी-हरिसिंह पुत्रान श्योपाल, 4ए-राजबीर पुत्र शिवलाल, 4बी-राजेश पुत्र शिवलाल 4डी-महावीर पुत्र शिवलाल, 4ई-लीलाराम पुत्र शिवलाल 5-कृपा पुत्र मेहरचन्द 7-रामकिशन पुत्र मेहरचन्द पुत्र सावलराम 6-ईश्वर सिंह पुत्र गिन्नीराम पुत्र तिरखा, रामकिशन पुत्र मेहरचन्द पुत्र सावल राम, 8-लीलाराम पुत्र सावलराम पुत्र श्योकरण 9ए- संदीप पुत्र रामफल पुत्र रामस्वरूप 11-नसीब सिंह पुत्र सरबती 12- ओमप्रकाश पुत्र सरबती 13-दिवान सिंह पुत्र सरबती 15- योगेन्द्र पुत्र ईश्वर 16- दाताराम पुत्र श्योनाथ 19- मूर्ती देवी पत्नि रतीराम 20- सुनीता पत्नी महावीर ....प्रतिवादीगण / मसुलान
दरखास्त तकसीम आराजी मौजा खेडी तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ की आराजी खेवट नं. 8 खतौनी नं. 8 किते 8 रकबा तादादी 46 कनाल 15 मरला मे 4/187 भाग व बरूये जमाबन्दी साल 2017-18 वाका मौजा बाघोत तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ इश्तहार बजरिये सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फरीकअव्वलगण/वादीगण ने एक दरखास्त तकसीम खेवट नं. 8 वाका मौजा बाघोत तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ बनाम फरीक दोयम / प्रतिवादीगण के खिलाफ दायर की हुई है जिसमे आगामी तारीख पेशी दिनांक 30.06.26 लगी हुई है इश्तहार द्वारा फरीकदोयमगण / प्रतिवादीगण को उपरोक्त दरखास्त तकसीम से सम्बंधित कोई भी उजर या एतराज हो तो दिनांक 30.06.26 को उपरोक्त माननीय अदालत में असालतन या वकालतन उपस्थित हो सकते हैं। अन्यथा इसके उपरांत म्याद फरीकदोयमगण के खिलाफ एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। यह कि इश्तहार इस न्यायालय से दिनांक 26.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित पारित किया गया।
हस्ता/- सहायक कलेक्टर, प्रथम श्रेणी, कनीना।

बाल संस्कार शिविर में 96 बच्चों ने सीखी विविध कलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भारत विकास परिषद शाखा की ओर से सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुल बाजार में संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा, समर्पण के पंचसूत्र पर आधारित पांच दिवसीय बाल संस्कार शिविर में मंगलवार को 96 बच्चों ने विविध कलाएं सीखी। शाखा अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि शिविर का समय प्रातः नौ से 11 बजे तक रहेगा और यह 29 मई तक चलेगा।

इस अवसर पर मुख्यातिथि सरस्वती शिक्षा समिति के चेयरमैन मुकेश शर्मा, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. उषा यादव, शाखा अध्यक्ष मुकेश जैन व अन्य सदस्यों ने भारत माता की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यातिथि मुकेश शर्मा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलते हुए भारत विकास परिषद बच्चों में संस्कार रोपित करने का कार्य कर रही है। मोबाइल युग में ऐसे शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. उषा यादव ने शिविर को बच्चों के सीखने के लिए उपयुक्त मंच बताते हुए कहा कि भारत विकास परिषद की ओर से हर वर्ष ऐसे शिविर का आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करता है और गर्मी की छुट्टी में बच्चे विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेकर काफी कुछ नया सीखते हैं।

नारनौल। शिविर में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

शिविर में करीब 96 बच्चों ने हिस्सा लेकर डांस, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्राइंग, योग आदि अनेक गतिविधियों में भाग लिया। योग की शिक्षा परिषद सदस्या सरोज कश्यप ने दी। वहीं देशभक्ति पर आधारित नृत्य कला का प्रशिक्षण बलवंत सैनी की ओर से दिया जा रहा है। आर्ट एवं क्राफ्ट में कुमारी श्रेया बोहरा बच्चों की प्रतिभा निखारने का कार्य कर रही है, जबकि मेहंदी कला का प्रशिक्षण कुमारी मीरा दे रही हैं।

कार्यक्रम में मंच संचालन भारत विकास परिषद के सचिव संदीप शुक्ला ने किया। महिला संयोजिका सुचेता गोगिया ने बच्चों को बताया कि शिविर में सिखाई जा रही विद्याओं को अपने दैनिक जीवन की दिनचर्या में ढालना चाहिए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कविन्द्र सचदेवा, सुभाष कश्यप, कुलभूषण शर्मा, हितेन्द्र बोहरा, पवन यादव, सुनील चुघ, संदीप शुक्ला, डॉ. शिवकुमार, नीरज अग्रवाल, नरोत्तम सोनी, नरेश गोगिया, मुकेश जैन, विकास बंसल, पवन अरोड़ा, महिला संयोजिका सुचेता गोगिया, मीतू जैन, लक्ष्मी सचदेवा, महक शुक्ला, अनु अग्रवाल, रवीना सोनी, प्रतिमा भारद्वाज, डॉ. उषा यादव, मुकेश यादव, इंदु गुप्ता, रजनी भयाना, सरोज कश्यप, शालू चुघ, सीता भटेजा, कमलेश वर्मा, पूजा सैनी, मीरा कुमारी, श्रेया बोहरा, कृष्णा शर्मा, रजनी आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय नगरपालिका कनीना

नियम व शर्तें

नगरपालिका कनीना की कृषि योग्य भूमि के प्लाट नं० 1 से 4 व 5 की वर्ष 2026-27 के लिए खुली बोली पर दिनांक 29-05-2026 को प्रातः 11:00 बजे नगरपालिका कार्यालय में पट्टे पर छोड़ी जानी है। नियम व शर्तें निम्न प्रकार है:-

1. यह कि बोली प्लाट नं. 1 से 4 तक की मु. 10,000/- रुपये स्कोरटी केस बोली के पूर्व नगरपालिका कार्यालय में जमा करानी होगी। तभी बोली दाता बोली दे सकेगा। जिस व्यक्ति के नाम बोली नही छूटेगी उनकी स्कोरटी की राशि बोली के बाद वापिस कर दी जायेगी।
2. यह कि कोई भी नगरपालिका का बाकीदार बोली नही लगा सकता।
3. यह कि सरकार की हिदायत अनुसार कुल रकबा का 1/3 हिस्सा प्लाट नं. 3 अनुसुचित जाति के लिए पट्टे पर छोड़ा जायेगा।
4. यह कि अन्य प्लाट सामान्य श्रेणी के लिए कोई भी बोलीदाता बोली दे सकेंगा।
5. यह कि बोली की किसी भी शर्त को मौके पर प्रधान नगरपालिका कनीना व जिला नगर आयुक्त, नारनौल द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि द्वारा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार होगा।
6. यह कि बोली को स्वीकृत अधिकतम राशि बोली स्वीकृत होने के पश्चात मौके पर नगद जमा करानी होगी।
7. यह कि शर्तें पूरी ना करने की सूरत में किसी भी बोलीदाता की स्कोरटी की राशि जबत कर ली जायेगी।
8. कृषि योग्य भूमि की एक वर्ष यानि 2026-27 के लिए पट्टे के लिए आम सूचना के लिए मुनादी करा दी गई है तथा अखबार में भी विज्ञापन प्रकाशित करवा दिया गया है।
9. सभी टैक्स पट्टेदार को देने होगें।
10. बिजली का बिल यदि किसी प्रकार का होगा तो पट्टेदार द्वारा भरा जायेगा।
11. प्रस्तावित कृषि भूमि पर पट्टेदार किसी प्रकार का निर्माण नही करेगा।
12. भूमि पर लगे सभी उपकरण इत्यादि यदि कोई हो तो चालू हालत में प्राप्त करेगा और चालू हालत में वापिस करेगा।
13. बाकि शर्तें मौके पर सुना दी जायेगी।

हस्ता/- प्रधान / सचिव, नगरपालिका कनीना

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल से जिले को बड़ी सौगात

जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में शुरू होगी टेली-ईसीजी सुविधा

पॉयलेट प्रोजेक्ट के तहत दिल के रोगियों को मिलेगा त्वरित उपचार

राजकुमार ▶▶| नारनौल

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़ी राहत की खबर है। अब जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी हृदय रोगों की जांच और शुरुआती उपचार की सुविधा मजबूत होने जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए जा रहे टेली-ईसीजी पायलट प्रोजेक्ट में नारनौल जिला भी शामिल किया गया है। इस योजना के तहत जिले के चयनित स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों की ईसीजी जांच डिजिटल माध्यम से होगी और उसकी रिपोर्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों तक तुरंत पहुंचाई जाएगी। इससे गांवों में रहने वाले मरीजों को बड़े शहरों के अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और समय रहते इलाज शुरू हो सकेगा। प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री एवं अटेली की विधायक आरती सिंह राव के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। जिले के लोगों को उम्मीद है कि इस सुविधा से विशेष रूप से हृदय रोगियों को काफी राहत मिलेगी और आपातकालीन स्थितियों में समय पर उपचार मिलने से कई लोगों की जान बचाई जा सकेंगी। गौर करने वाली बात यह है कि सरकार के इस पॉयलेट प्रोजेक्ट को 29 मई से चालू करने की योजना है। उस दिन सीएम नायब सिंह सैनी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इसका उद्घाटन करेंगे।

गांवों तक पहुंचेगी आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा

स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू किए जा रहे इस पायलट प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में दिल से जुड़ी बीमारियों की जल्दी पहचान करना और मरीजों को समय पर विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध करवाना है। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मरीज की ईसीजी करने के बाद उसकी रिपोर्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए विशेषज्ञ डॉक्टरों तक भेजी जाएगी। विशेषज्ञ चिकित्सक रिपोर्ट देखकर तुरंत सलाह देंगे कि मरीज को सामान्य दवा की जरूरत है या उसे बड़े अस्पताल रेफर करना आवश्यक है। नारनौल जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय से विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी महसूस की जाती रही है। ऐसे में टेली-ईसीजी सुविधा ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। कई बार मरीजों को मामूली लक्षणों को नजरअंदाज करने के कारण गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

गोल्डन ऑवर में बच सकेगी मरीजों की जान

चिकित्सकों के अनुसार हृदय रोग के मामलों में शुरुआती एक घंटा यानी 'गोल्डन ऑवर' बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि इस दौरान सही उपचार शुरू हो जाए तो मरीज की जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। टेली-ईसीजी सुविधा इसी दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। जिले में बड़ी संख्या में ग्रामीण आबादी निवास करती है, जहां गंभीर मरीजों को जिला मुख्यालय या बड़े शहरों तक पहुंचाने में समय लग जाता है। कई बार रास्ते में ही मरीज की हालत गंभीर हो जाती है, लेकिन अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ही ईसीजी जांच होने और विशेषज्ञ चिकित्सकों से तुरंत सलाह मिलने से उपचार प्रक्रिया तेज होगी। जरूरत पड़ने पर मरीज को तुरंत उच्च स्वास्थ्य केंद्र रेफर किया जा सकेगा।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत

नारनौल। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर महेंद्रगढ़ जिले के अटेली स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। स्वास्थ्य विभाग हरियाणा व मेदांता फाउंडेशन के बीच सहयोग से तैयार प्रस्ताव को सिद्धांततः मंजूरी के लिए विचाराधीन रखा गया है। प्रस्ताव के अनुसार सीएचसी अटेली में आगामी तीन वर्षों के लिए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा, जिसे आपसी सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। इस पहल के तहत सीजेरियन ऑपरेशन थिएटर, लेबर रूम, ओपीडी सेवाएं, एनीमिया स्क्रीनिंग क्लीनिक तथा अल्ट्रासाउंड जैसी सुविधाओं को आधुनिक बनाया जाएगा।

यह कहते हैं सिविल सर्जन

प्रदेश सरकार अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेली ईसीजी की शुरूआत करने जा रही है। इसकी तैयारियां चली हुई हैं। नारनौल को भी इस पॉयलेट प्रोजेक्ट में स्थान दिया गया है। जिले के लोगों खासकर हर्ट के मरीजों को और बेहतर सुविधा मिल सकेगी और मरीज अपने घर के आसपास ही दिल की जांच करा सकेंगे।

- डा. अशोक कुमार, सिविल सर्जन, नारनौल

स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

इस योजना को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल ऑफिसरों और नर्सिंग अधिकारियों को 27 मई को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात स्टाफ को ईसीजी मशीन संचालन और डिजिटल रिपोर्टिंग की प्रक्रिया समझाई जाएगी। इससे ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार द्वारा पहले चरण में सात जिलों में पंचकूला, अंबाला, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर एवं रेवाड़ी में इस योजना को लागू किया जा रहा है, जिनमें नारनौल भी शामिल है। योजना सफल रहने पर आगे अन्य जिलों में भी इसे विस्तार दिया जाएगा।

अनुभवों की पाठशाला बन रहा वरिष्ठ नागरिक संगठन

प्रधान ने पढ़ाई के साथ पिता के साथ बेची चाय भिवानी बोर्ड में डिप्टी सेक्रेटरी पद तक पहुंचे दुलीचंद शर्मा आठ भाई बहनों का किया पालन-पोषण

शहर में संचालित वरिष्ठ नागरिक संगठन अब केवल बुजुर्गों के मिलने-जुलने का केंद्र नहीं रह गया है, बल्कि यह जीवन के अनुभवों, संघर्षों और प्रेरणादायक कहानियों की एक जीवंत पाठशाला बनता जा रहा है। इसी कड़ी में हरिभूमि के द्वारा 'याद बहुत आते हैं वो दिन' नामक विशेष कॉलम शुरू किया गया है, जिसमें वरिष्ठ नागरिक अपने जीवन के यादगार अनुभव साझा कर रहे हैं। इस कॉलम के तहत क्लब के सदस्यों से बातचीत कर उनके जीवन के संघर्ष, सफलता की कहानियां, बचपन की यादें, युवा अवस्था के सुनहरे पल और समाज के बदलते स्वरूप पर विचार प्रकाशित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को पुराने समय के संस्कारों, संघर्षों और जीवन मूल्यों से जोड़ना है। इसकी शुरुआत हरिभूमि ने सर्वप्रथम संगठन के प्रधान दुलीचंद शर्मा से ही की है।

यह है दुलीचंद शर्मा का अतीत

अटेली क्षेत्र में गांव कलवाड़ी है। इस गांव में सीताराम शर्मा व विद्यादेवी के नौ संतान ने जन्म लिया। सबसे बड़ी संतान का जन्म 25 अक्टूबर 1953 में हुआ। इनका नाम था दुलीचंद शर्मा। गांव में ही प्राइमरी स्कूल था। उस स्कूल में पांचवीं तक पढ़ाई की। फिर पड़ोस के गांव दौगड़ा अहीर में हाई स्कूल तक सरकारी स्कूल था। पिता सीताराम इसी स्कूल के सामने लकड़ी का खोखा रखकर चाय बेचने का काम करते थे। दुलीचंद का दुकान के सामने वाले स्कूल में ही छठी में 1966 में एडमिशन करवा दिया। जब स्कूल की छुट्टी होती तो बेटा पिता के धंधे में हाथ बंटाता और चाय बनाता। कप को धोता था। शाम को पिता के साथ ही वापिस अपने गांव पैदल जाता था। यह सिलसिला लगातार पांच साल चला। जब दुलीचंद ने 1970 में दसवीं पास की तो आगे की पढ़ाई के लिए उसे नारनौल कॉलेज में भेज दिया गया। उस वक्त 11वीं कक्षा वहां पढ़ाई जाती थी। 11वीं कक्षा की पढ़ाई पूरी होने से पहले बीच में ही दिसम्बर माह में पढ़ाई छोड़ दी। कारण, 10वीं का परीक्षा परिणाम फस्ट डिविजन से था। उसी आधार पर उनकी हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी में क्लर्क पद पर नौकरी लग गई। परिवार के लिए छह जनवरी 1971 का दिन खुशियां लेकर आया था। उस दिन दुलीचंद ने नौकरी ज्वाइन की थी। पहली नौकरी सबसे बड़े बेटे को मिली तो दुलीचंद ने माता पिता के साथ मिलकर भाई बहनों को पढ़ाया और उन सभी की शादी तक की। वह भी नौकरी में क्लर्क, फिर असिस्टेंट, फिर सुपरिटेंडेंट, फिर असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट और साल 2011 में डिप्टी सेक्रेटरी पद से सेवानिवृत हुए। साल 1971 से 2011 का जो 40 साल का समय था, वह और उससे पहले जो संघर्ष का समय रहा। उसे दुलीचंद शर्मा याद करते है तो पुराने और अब के समय में दिन रात का अंतर मानते है। इन दिनों दुलीचंद शर्मा वरिष्ठ नागरिक संगठन के साल 2020 से प्रधान पद संभाले हुए है और जनहित सहित संस्कार से जुड़ी बातों को रखकर आमजन का अपनी ओर ध्यान खींचते है।

बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर, पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक

हरिभूमि से बातचीत में बुजुर्ग दुलीचंद शर्मा बताते है कि आज की सुविधाओं से भरी जिंदगी की तुलना में पहले का समय कठिन जरूर था, लेकिन उसमें अपनापन, सामाजिक एकता और रिश्तों की मजबूती अधिक थी। उन्होंने अपने छात्र जीवन, नौकरी पाने के संघर्ष, पारिवारिक जिम्मेदारियों और सीमित संसाधनों में जीवन बिताने के अनुभव साझा किए। वह बताते है कि गांव से दूसरे गांव जब वह पढ़ाई के लिए जाते थे, उसकी दूरी करीब डेढ़ किलोमीटर थी। मज दोपहरी हो या फिर कपकपाती ठंड। नंगे पैर ही कच्चे रास्तों के बीच आवागमन होता था। फिर भी लोग खुश रहते थे। भाईचारा था। परिवार हो या फिर भाई बहन। रिश्तों की कद्र होती थी। अबकी युवा पीढ़ी में इनका नैतिक पतन हो रहा है। देश को आजाद दिलाने वाले शहीदों के नाम युवा पीढ़ी को याद तक नहीं है। इसमें शिक्षा अहम किरदार निभा रही है। गरीब व अमीर दोनों के अलग अलग स्कूल खुल गए है। पहले ऐसा नहीं था। एक ही तप्पड़ पर सभी उठते बैठते थे। अभिभावकों को चाहिए कि बच्चों को परिवार के संघर्ष की कहानी सुनाएं और उन्हें प्रेरित करें कि बड़ों के आशीर्वाद, मिलमिलाप व प्यार के गुस्से को समझे। जब माता पिता बच्चों के सामने दादा दादी का मान सम्मान करेंगे तो उन पलों को रोजाना निहारने वाले नन्हें बच्चे भी उसी राह पर चलेंगे। हरिभूमि की इस पहल से वरिष्ठ नागरिकों को अपने अनुभव साझा करने का मंच मिलेगा, वहीं युवाओं को भी जीवन में संघर्ष और धैर्य का महत्व समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक साबित हो सकते हैं।

खबर संक्षेप

एसडीएम ने सुनीं जनसमस्याएं

महेंद्रगढ़। एसडीएम योगेश सैनी ने मंगलवार को सतनाली खंड कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनी और मौके पर उपस्थित अधिकारियों को समाधान बारे निर्देश दिए। एसडीएम योगेश सैनी ने कहा कि अधिकारी आमजन की सभी शिकायतों को गंभीरता से लें और इनका समयबद्ध निपटान करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों का तत्परता से समाधान करते हुए शिकायतकर्ता को राहत पहुंचाने में विभागीय अधिकारी सजगता दिखाएं।

बढ़ती कीमतों पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा

नारनौल। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया एडवोकेट ने डीजल, पेट्रोल और गैस की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण देश और प्रदेश का आम नागरिक भय और चिंता के माहौल में जीवन जीने को मजबूर हो गया है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि पिछले 15 दिनों में कई बार डीजल, पेट्रोल और सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं, जिससे आम लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं।

मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्मः सुमित गिरी

नारनौल। रेडक्रॉस सोसायटी में युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से चार जून को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। जिसको लेकर माजरी धाम के संत सुमित गिरी महाराज ने युवाओं व श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान करने का आह्वान किया। महाराज ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और रक्तदान महादान के समान पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि हमारे द्वारा किया गया एक छोटा सा प्रयास किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है।

महेंद्रगढ़। रामबिलास शर्मा से बात करते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

मंत्री अनिल विज ने जाना पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा का कुशलक्षेम

महेंद्रगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने पंचकूला में पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वरिष्ठ नेता प्रो. रामबिलास शर्मा का कुशलक्षेम जाना तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। अनिल विज ने प्रो. रामबिलास शर्मा से मुलाकात के दौरान उनके स्वास्थ्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और चिकित्सकों द्वारा दी जा रही चिकित्सा एवं देखभाल के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रो. रामबिलास शर्मा लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए हरियाणा के विकास, शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रो. रामबिलास शर्मा का अनुभव, कार्यशैली और समाज के प्रति समर्पण सभी कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन का धरना जारी

नारनौल। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन (सीटू) के बैनर तले नारनौल ब्लॉक में चल रहा धरना मंगलवार को 12वें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता जिला सचिव बसंत कुमार ने की, जबकि मंच संचालन प्रधान अमित कुमार ने किया। कर्मचारियों ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी की बातचीत से असंतोष जताते हुए आंदोलन को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। यूनियन ने घोषणा की है कि धरना अब 31 मई तक जारी रहेगा। धरने के दौरान वक्ताओं ने बताया कि कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने तीन दिन के भीतर प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से वार्ता कराने का आश्वासन दिया है, लेकिन यदि यह वार्ता नहीं करवाई जाती है तो आंदोलन और अधिक तेज किया जाएगा।

- कुल 900 पव्वे, 36 बोतलें व 24 अध्धे अवैध शराब बरामद

नारनौल। अवैध शराब के साथ पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

पुलिस ने गाड़ी से पकड़ी भारी मात्रा में अवैध देशी शराब, आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पुलिस की ओर से अवैध शराब तस्करों व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नांगल चौधरी पुलिस ने गश्त व नाकाबंदी के दौरान मुस्तैदी दिखाते हुए एक कार से भारी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद की है और एक आरोपित को मौके पर ही धर दबोचा है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि थाना नांगल चौधरी से हेड कांस्टेबल सुरेन्द्र व उनकी टीम क्षेत्र में गश्त के दौरान जैनपुर मोड़ नांगल चौधरी पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि सोनू निवासी नांगल चौधरी अपनी गाड़ी में भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर निजामपुर की तरफ से नांगल चौधरी की ओर आ रहा है। टीम ने निजामपुर नांगल चौधरी मार्ग पर स्थित लुजोता मोड़ के पास पहुंचकर नाकाबंदी शुरू कर दी पुलिस द्वारा गाड़ी की गहनता से तलाशी ली गई, तो उसमें से भारी मात्रा में अवैध देशी शराब बरामद हुई। गाड़ी के अंदर से कुल 18 पेटी पव्वा, तीन पेटी बोतल और एक पेटी अध्धा देशी शराब बरामद की गई। गिनती करने पर कुल 900 पव्वे, 36 बोतलें और 24 अध्धे अवैध शराब पाई गई।

न्यूज डायरी

नव-निर्वाचित विधायक विजय ओझा का हुआ सम्मान

महेंद्रगढ़। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित एसवीएस मारवाड़ी अस्पताल में पिछले तीन सत्र से कोलकाता म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के पार्षद तथा बीजेपी के नव-निर्वाचित विधायक विजय ओझा के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सन 1919 में स्थापित चैरिटेबल अस्पताल, एसवीएस मारवाड़ी अस्पताल के प्रांगण में भाजपा के नव-निर्वाचित विधायक विजय ओझा को उनके 15 वर्षों तक पार्षद के रूप में किए गए योगदान तथा उनके कर्मठ व्यक्तित्व के लिए सराहा गया। इस दौरान विजय ने उपस्थित सभी लोगों को कार्यसूची से अवगत कराया और उसके लिए पूर्ण सहयोग देने की अपील की। साथ ही उन्होंने कोलकाता स्थित औद्योगिक घरानों से भी सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की।

यात्रियों को राहतः 52 जोड़ी ट्रेनों में बढ़ाए 132 डिब्बे

नारनौल। गर्मियों की छुट्टियों में बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए 52 जोड़ी ट्रेनों में विभिन्न श्रेणी के 132 अतिरिक्त डिब्बे अस्थायी रूप से बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसका लाभ नारनौल और महेंद्रगढ़ क्षेत्र के यात्रियों को भी मिलेगा, क्योंकि कई महत्वपूर्ण ट्रेनें इन स्टेशनों से होकर गुजरती हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि जून माह के दौरान विभिन्न ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे। इनमें नारनौल व महेंद्रगढ़ क्षेत्र से गुजरने वाली ट्रेनों में विशेष रूप से रेवाड़ी-हिसार, जयपुर-रेवाड़ी, हिसार-जयपुर, भिवानी-कालका और भिवानी-मथुरा रूट की ट्रेनें शामिल हैं।

नई पेयजल व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 को लागू करने के दिए निर्देश

नारनौल। जल जीवन मिशन 2.0 के तहत जिला जल एवं सीवरेज मिशन जिला महेन्द्रगढ़ की छठी बैठक स्थित लघु सचिवालय में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में सबसे पहले कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार ने सभी अधिकारियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार सरकारी जन भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पेयजल व्यवस्थाओं को पंचायतों को सौंपकर उन्हें और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। जिला जल एवं सीवरेज मिशन की बैठक में चार मुख्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीण जल प्रणाली के संचालन एवं रखरखाव हेतु सरकारी सामुदायिक भागीदारी आधारित संचालन एवं रखरखाव नीति 2026 के बारे में जिला सलाहकार मंगतुराम सरसवा ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी।

अग्निवीर जीडी, टेक्निकल, ट्रेड मैन 10 और ट्रेड मैन 8 भर्ती का परिणाम घोषित

नारनौल। अग्निवीर जीडी, टेक्निकल, ट्रेड मैन 10 और ट्रेड मैन आठ भर्ती 2025-26 के परिणाम घोषित कर दिया गया है। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी के निदेशक कर्नल के. संदीप ने बताया की अग्निपथ योजना के अंतर्गत अग्निवीर रैली जो जनवरी-फरवरी 2026 में भिवानी के भीम स्टेडियम में हुई थी उसका परिणाम घोषित कर दिया गया है। उम्मीदवार अपना परिणाम **www.join indianarmy.nic.in** पर देख सकते है। निदेशक कर्नल के. संदीप ने बताया कि सभी सफल उम्मीदवार जो महेंद्रगढ़ और चरखी दादरी के है वो 27 मई व भिवानी और रेवाड़ी के उम्मीदवार 28 मई को सुबह 5.30 बजे सभी मूल दस्तावेजों के साथ सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी में रिपोर्ट करें।

भ्रूणहत्या के खिलाफ ली सामूहिक शपथ

नारनौल। खण्ड सिहमा के अंतर्गत आने वाले गांव शहरपुर व छापड़ा सलीमपुर में गिरते लिंगानुपात को सुधारने व महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विशेष बैठकें आयोजित की गई। ग्रामीणों को भ्रूण हत्या के खिलाफ सामूहिक शपथ दिलाई गई। शहरपुर ग्राम पंचायत सरपंच अनीता की अध्यक्षता में हुई बैठक में पंच, नम्बरदार, गर्भवती महिलाएं, योग्य दंपत्ति आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन सीएचओ मनीष यादव ने किया। इस दौरान एमपीएचडब्ल्यू सुनीता देवी व आशा वर्कर्स सुमन देवी व मंजू मौजूद रही। छापड़ा सलीमपुर ग्राम पंचायत सरपंच एकता कुमारी की मौजूदगी में हुई बैठक में गिरते लिंगानुपात पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। यहां भी सीएचओ मनीष यादव की अध्यक्षता में एमपीएचडब्ल्यू सुनीता देवी व आशा वर्कर लीलावती सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठकों में वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि आज के दौर में लड़कियां हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर रही है। इसलिए लड़के और लड़की में कोई अंतर नहीं करना चाहिए।

सिहमा पीएचसी में पेट रोग के मरीज ज्यादा

- गर्मी में लापरवाही पड़ सकती है भारी बचाव जरूरी : डॉ. राहुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

नौतपा के चलते क्षेत्र में पड़ रही प्रचंड गर्मी अब लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ने लगी है। तापमान में लगातार बढ़ोतरी और लू के थपेड़ों के बीच पेट से जुड़ी बीमारियों के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है। सिहमा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। रोजाना करीब 200 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या पेट संक्रमण से पीड़ित लोगों की है। अस्पताल में हर चौथा मरीज पेट दर्द, उल्टी, दस्त, गैस, अपच और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। बच्चों में यह समस्या अधिक देखने को मिल रही है। अस्पताल के प्रभारी डॉ. राहुल ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के कारण बैक्टीरिया और वायरस तेजी से सक्रिय हो जाते हैं जिससे खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होती हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

मंडी अटेली। सिहमा पीएचसी में मरीजों का उपचार करते हुए डॉ. राहुल।

लोगों को साफ पानी पीन की सलाह

उन्होंने लोगों को साफ पानी पीने, ताजा भोजन करने और स्वच्छता बनाए रखने की सलाह दी है। उन्होंने यह भी बताया कि तेज गर्मी का असर गर्भवती महिलाओं पर विशेष रूप से पड़ता है। इस दौरान उनके शरीर में पानी की मात्रा तेजी से कम हो सकती है साथ ही सोडियम और पोटैशियम जैसे जरूरी तत्वों की कमी भी हो जाती है। इससे चक्कर आना, कमजोरी, वजन कम होना और हीटस्ट्रोक जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। समय रहते सावधानी न बरतने पर स्थिति गंभीर भी हो सकती है। केवल पानी पीना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि शरीर में पानी और आवश्यक मिनरल्स का संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है।

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

एसआईआर 2026 के लिए जल्द बीएलए नियुक्त करें सभी राजनीतिक दल

मतदाताओं की सहायता व जानकारी के लिए जिला स्तर पर टोल फ्री नंबर शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

निष्पक्ष व त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार करने के लिए सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि जल्द से जल्द अपने अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए 2) नियुक्त करें। चुनाव प्रक्रियाओं को पारदर्शी व सुगम बनाने में सभी की अहम भूमिका होती है। यह बात उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपमा अंजली ने मंगलवार को लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर 2026) के संबंध में आयोजित बैठक में कही। डीसी ने स्पष्ट किया कि नियुक्त किया जाने वाला बूथ लेवल एजेंट अनिवार्य रूप से उसी संबंधित बूथ का मतदाता होना चाहिए, ताकि वह स्थानीय स्तर पर सही सत्यापन में सहयोग कर सके।

उपायुक्त ने बताया कि विशेष गहन संशोधन के लिए पात्रता तिथि एक जुलाई निर्धारित की गई है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए पांच जून से 14 जून तक संबंधित अधिकारियों और चुनाव अमले को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। 15 जून से 14 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करेंगे। साथ ही 14 जुलाई तक जिले के मतदान केन्द्रों का रैशनलाइजेशन (युक्तिकरण) कार्य पूरा किया जाएगा। 21 जुलाई को मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से 20 अगस्त तक इस अवधि के दौरान मतदाता सूची को लेकर दावे तथा आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। साथ ही 21 जुलाई से 18 सितंबर तक प्राप्त हुई सभी आपत्तियों और दावों का निपटारा किया जाएगा। 22 सितंबर को मतदाता सूचियां का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इस मौके पर जिला निर्वाचन तहसीलदार सुरेंद्र, बीजेपी जनप्रतिनिधि सुशील चौटाला, नरेंद्र सिंह, योगदत व राजेंद्र कुमार, कांग्रेस जन प्रतिनिधि मंजीत कुमार, जेजेपी जनप्रतिनिधि वीरेंद्र, इनेलो जनप्रतिनिधि विजय सैनी मौजूद थे।

नारनौल। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करती डीसी अनुपमा अंजली।

1200 से ज्यादा वोटर वाले पोलिंग स्टेशनों का 14 जुलाई तक होगा रैशनलाइजेशन

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग व हरियाणा राज्य चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार 1200 से ज्यादा वोटर वाले पोलिंग स्टेशनों का 14 जुलाई तक रैशनलाइजेशन किया जाना है। उन्होंने बताया कि जिले में ऐसे 175 मतदान केंद्र चिह्नित किए गए थे, जहां मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है। इनमें से 62 केंद्रों को समायोजित कर लिया गया है, जबकि 113 नए मतदान केंद्र बनाने का एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005